सुषमा को वॉकओवर, कांग्रेस सकते में

पटेल ने मुख्यमंत्री से निभाई रिश्तेदारी, जान-बूझकर फॉर्म निरस्त करवाया

कांग्रेस की गलती कहें या उसके प्रत्याशी की लापरवाही, मप्र की विदिशा सीट पर भाजपा की दिग्गज प्रत्याशी सुषमा स्वराज को चुनाव लड़ने से पहले ही वॉकओवर मिल गया, कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल का नामांकन खारिज होने के बाद सुषमा स्वराज आराम में हो गईं हैं. कांग्रेस आलाकमान पटेल की इस हरकत से सकते में हैं. पटेल की देर-सबेर पार्टी से विदाई तय है मगर इस गलती का खामियाजा पूरी कांग्रेस को उठाना पड़ेगा. राजकुमार पटेल कांग्रेस के खलनायक बन कर उभरे हैं. कहा जा रहा है कि पार्टी को नीचा दिखाने की यह हरकत उन्होंने जान-बूझकर की है. इससे पूर्व भी वे शिवराजसिंह चौहान के खिलाफ चुनाव लड़ते वक्त ऐसी ही हरकत कर चुके हैं. कांग्रेस की स्थिति सांप-छछुंदर जैसी हो गई है. उससे न निगलते बन रहा है न उगलते.कांग्रेस मप्र में कितनी सीटें जीतेगी और कौन-कौनसी जीतेगी, इस पर फिलहाल चर्चा नहीं के बराबर हो रही है बल्कि चर्चा का केन्द्र विदिशा सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुषमा स्वराज को वॉकओवर मिलता बन गया है. कांग्रेस ने विदिशा से राजकुमार पटेल को उम्मीदवार घोषित किया था, तभी से चर्चा थी कि उसने कमजोर उम्मीदवार उतारकर सुषमा स्वराज जैसी दिग्गज नेता को आरामदायक स्थिति में पहुंचा दिया है. हद तो तब हो गई जब राजकुमार पटेल नामांकन भरने के लिए विदिशा पहुंचे तो अपना ए फॉर्म ही भोपाल भूल आए. उनकी इस हरकत पर कांग्रेस में मंथन चल रहा है और देर-सबेर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा, यह तय है. पटेल इससे पहले भी ऐसी हरकतें कर चुके हैं.

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पटेल को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के खिलाफ बुधनी से प्रत्याशी बनाया गया था, तब भी उन्होंने नामांकन दाखिल करते वक्त कुछ ऐसी त्रुटियां कर दी तीं कि उनका नामांकन खारिज हो जाए. लेकिन उसवक्त जेपी धनोपिया ने वक्त रहते उन त्रुटियों को सुधार दिया था. रायसेन जिले के कांग्रेस नेता उक्त घटना का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि यदि धनोपिया उस समय भी फॉर्म में सुधार नहीं करते तो शिवराज निर्विरोध जीत जाते. बताते हैं कि पटेल को कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के खिलाफ चुनाव याचिका दायर करने के भी निर्देश दिए थे जिसमें पटेल ने याचिका तो लगाई मगर तारीखों पर गैरहाजिर रहे जिससे हाईकोर्ट ने एक पक्षीय फैसला दे दिया. पटेल मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से रिश्तेदारी निभा रहे हैं. वे रिश्ते में मामा-भानजे लगते हैं और यही रिश्ता निभाते हुए वे कांग्रेस को हर बार नीचा दिखा गए हैं.

दिग्विजय ने किया राजकुमार का बचाव

भोपाल। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दिग्विजयसिंह ने विदिशा में अपनी उम्मीदवारी गंवाने वाले पार्टी नेता राजकुमार पटेल का बचाव किया है। श्री सिंह का कहना है कि पटेल बेईमान नहीं है। उनके मामले में जांच की जानी चाहिए। राजगढ़ से लौटे श्री सिंह कुछ देर के लिए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय आए। जहां उन्होंने कांग्रेस पर्यवेक्षकों व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश पचौरी के साथ मंत्रणा की। बाद में पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री सिंह ने राजकुमार पटेल का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राजकुमार बेईमान नहीं है। उनके मामले की जांच की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि विदिशा से घोषित कांग्रेस उम्मीदवार राजकुमार पटेल का नामांकन ए फार्म जमा न करने के कारण, रद्द हो गया है। जिसे लेकर पार्टी के भीतर भी बवाल मचा हुआ है।

INOX
LIVE THE MOVIE
Sapna - Sangeeta
NOW SHOWING
10th - 16th April, 2009
MOVIES OF THE WEEK
वाईसर ई गुम (सिंधी) (U)
10:00am, 03:45pm, 09:30pm
मी शिवाजीराजे भोसले बोलतोय (मराठी) (U)
03:00pm
पल पल दिल के साथ (U/A)
12:45pm, 06:45pm
8 X 10 तसवीर (U)
11:45am, 03:00pm, 06:00pm, 09:00pm
रफ्तार का जुनून (हिंदी) (A)
11:00am, 01:00pm, 05:45pm, 07:45pm, 09:45pm

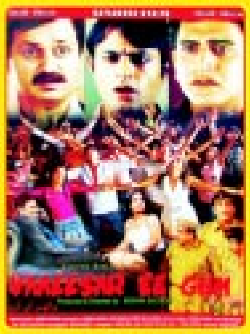

आसानी से करें टिकट बुक !
4214000 | SMS INOX 575757 | www.inoxmovies.com

बोली के जूते और जूते के बोल

चुनाव-चक्रम
सुरेन्द्र बंसल

चुनाव-चक्रम में कई बड़ी हस्तियां बीते हफ्ते आपे से बाहर हो गई या चक्कर में आ गई. वरूण गांधी से चले भाषा के जूते, राबड़ी देवी, लालू प्रसाद यादव और सुषमा स्वराज के जुबां पर भी आ गये वहीं केन्द्रीय मंत्री पी. चिदंबरम और कांग्रेसी सांसद नवीन चावला को भी जूतों की भाषा समझाने की कोशिश की गई.

यह भारतीय राजनीति का सबसे गिरा हुआ दौर है जबकि कहीं राजनीतिज्ञ अपनी भाषा से जूते चला रहे हैं तो कहीं राजनीतिज्ञों पर कुंठा और निराशा में जूते चलाए जा रहे हैं. युवा वरूण गांधी ने जो कुछ कहा उससे कहीं अधिक या उतना ही बुर्जुग और तजुर्बेदार नेता लालू प्रसाद यादव कह गये. वाकई में उनका लहजा भी उतना ही भड़काऊ था जितना वरूण उबल रहे थे. लेकिन राबड़ी देवी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के लिये जो कुछ जिस तरह कहा वह बेहद लज्जाजनक है. फिर सुषमा स्वराज का लालू को तिहाड़ का जल्लाद कहना और जवाब में लालू का सुषमा को ऐसी पुतना कहना जिसे कंस ने भगवान कृष्ण को मारने के लिये भेजा था. ये मुंह-बोली के ऐसे जूते हैं जिसे कोई सभ्य, शालीन और तासीरदार व्यक्ति नहीं चला सकता. इन नेताओं ने चुनाव के प्रतिद्वंद्विता वातावरण में असभ्यता की हवा चलाई है. आरोप-प्रत्यारोप के दौर में शालीनता की सीमा लांघना फूहड़पन और असभ्यता है. इन नेताओं को शब्दों को तौलकर और समझकर बोलने की आदत नहीं है.

कुछ इसी तरह कुछ लोगों ने नेताओं को जूतों के बोल समझाने की कोशिश की है. अफसोस जनक यह कि इनमें से एक मामले में एक पत्रकार भी शामिल थे. कांग्रेस मुख्यालय में गृहमंत्री पी.चिदंबरम पर जूता फेंकने वाले पत्रकार का मंतव्य चाहे जो हो और सभ्य कदाचरण में नहीं आता हो लेकिन लोगों की कुंठा और निराशा इतनी बढ़ गई है कि वे भी अब आपा खोने लगे हैं. पंजाब में सांसद नवीन जिंदल पर जूता फेंकने वाला स्कूल का पूर्व प्रिंसीपल ऐसी हरकत करे जो ओछी हो तो यह विचार करना जरूरी है कि लोग आखिर क्यों ऐसी हरकतों पर उतर आएं हैं. लगता है वह समय आ गया है जब कहते थे कि वह समय आएगा जब लोग नेताओं, पत्रकारों और अफसरों को जूतों से मारेंगे. जार्ज बुश से शुरू हुई जूतागिरी भारतीय नेताओं तक आ गई है. सबसे पहले पी. चिदम्बरम और नवीन जिंदल इसके शिकार बने हैं. आगे ऐसी घटनाएं फिर न हो इसके पहले लोगों की कुंठित और निराशा की भावना को कम करना होगा. सरकार में बैठे लोगों को अपना आचरण और कर्म भी उसी तरह करना होगा जिससे वे सरे राह जूते खाने से बच सके.

जूतों के बोल पर तो कोई रोक कैसे कर सकता है लेकिन बोली के जूतों पर शाब्दिक संयम और सदाचरण में रोक तो की ही जा सकती है, यह मर्यादा व्यक्ति को स्वयं निर्मित करना होती है फिर वह छोटे-बड़े किसी भी ओहदे पर होकर नेता, पत्रकार या अफसर क्यों न हों. वरूण, लालू, राबड़ी, सुषमा यह समझे तो बेहतर ताकि बोली के जूतों वालों की जमात से राजनीति का वातावरण और गंदा न हो.

PVR
CINEMAS
Bringing Smiles

DUE TO HEIGHTENED SECURITY REASONS, PATRONS ARE REQUESTED TO REACH THE CINEMAS 30 MINS BEFORE THE START OF SHOW TO AVOID ANY INCONVENIENCE.

फिल्म समय सारणी 10 से 16 अप्रैल '09 तक

द पिंक पैंथर 2 (U)(New)	10:20 am, 3:30, 10:40 pm
पल पल दिल के साथ (U/A)(New)	10:15 am, 6:00 pm
वल्करी (U/A)(New)	12:45, 5:50, 8:30 pm
मी शिवाजी राजे भोसले बोलतो (U)(New)	12:50, 7:50 pm
8x10 तस्वीर (U)	12:30, 3:00, 6:00, 10:30 pm
फॉस्ट एंड फ्यूरियस 4 (A)	10:45 am, 3:30, 5:40, 10:30 pm

GOLD CLASS

8x10 तस्वीर (U)	11:15 am, 4:15, 9:15 pm
फॉस्ट एंड फ्यूरियस 4 (A)	2:00, 7:10 pm

NEW GOLD CLASS TICKET PRICES

WEEKDAYS (Mon. To Thu.)		WEEKENDS (Friday)		(Sat. To Sun.)
Before 5:00 pm	Rs. 175	Before 5:00 pm	Rs. 250	Rs. 450
5:00 pm Onwards	Rs. 250	5:00 pm Onwards	Rs. 450	Rs. 450

अब आप पा सकते हैं टिकट अपने द्वार पर, संपर्क करें 4035787 ,4035828
To book tickets call 505787* from your mobile
Bulk Bookings DIAL 95124 – 4708090
ट्रेजर आइलैंड मॉल एम. जी. रोड

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक उत्तम झंवर द्वारा मे. मोर्या आर्ट प्रा.लि. के लिये अपनी दुनिया प्रिन्टर्स १३, प्रेस काम्पलेक्स एबी रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ३०५ मोर्या आर्केड १/२ ओल्ड पलासिया, इंदौर में प्रकाशित फोन : ४०४१२६८